Lecture No.- 10 | ~~09~~ 07-10-2020

Dr. Sunil Kr. Suman
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology
D.B. College Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study material
B.A. Part-II
Paper- IV
Date:- 7-10-20
Do- Next class

Gestalt Psychology

its contribution in the Field of Perception

(D) वस्तुनिष्ठ सेट का नियम (Principle of object set):- इस नियम के अनुसार यदि व्यक्ति वस्तु के किसी विशेष पैटर्न पर देखता है तो उससे एक तरह का मानसिक (Mental set) उत्पन्न होता है और उस सेट के कारण उद्दीपक पैटर्न में थोड़ा परिवर्तन होने के बाद भी व्यक्ति वस्तु को पहले के समान देखता है। जैसे चित्र 12.4 में जब व्यक्ति बायीं ओर (जहाँ O की आपसी दूरी समान है) से दायीं ओर से जहाँ O की दूरी एक साथ करके दिखाया गया है, बढ़ते हैं तो उन्हें पहले की तरह दो दो की समूह में देखते हैं हालाँकि पहले से उद्दीपक पैटर्न कुछ परिवर्तित है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि चित्र के पहले भाग को देखने में उसमें एक विशेष तरह का मानसिक सेट (Mental set) उत्पन्न होता है।

OO OO OO OO OOOOOOOO

चित्र 12.4

(E) प्रैग्नैन्ज का नियम (Principle of Pragnanz):- इस नियम को आकृति का नियम (Principle of good gestalt) भी कहा जाता है। यह नियम बतलाता है कि व्यक्ति देखे गए उद्दीपकों को

को एक संतुलित एवं सममित (Symmetrical) आकृति के रूप में प्रत्यक्षण करता है हालांकी उद्दीपक पैटर्न इतना संतुलित एवं सममित नहीं भी हो सकता है। चित्र 12.5 में हम देखते हैं कि अक्षर 'A' तथा 'B' को विकृत रूप से दिखाया गया है। परन्तु फिर भी उसे व्यक्ति 'A' तथा 'B' के रूप में प्रत्यक्षण करता है।

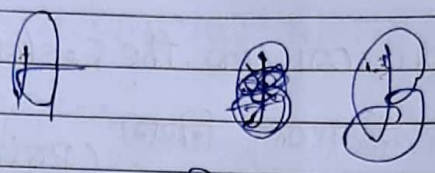

चित्र 12.5

(F) संवृति का नियम (Principle of closure)

:- सच पूछा जाय तो यह नियम उत्तम आकृति (good form) के नियम का ही एक हिस्सा है। इस नियम द्वारा यह पता चलता है कि जब प्रत्यक्षणात्मक वस्तु के कुछ अंश को अलग छोड़ दिया जाता है, तो व्यक्ति उसे अपनी ओर से पूरा करके संपूर्ण चित्र के रूप में देखता है।

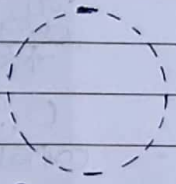

चित्र-12.6

चित्र 12.6 में दिखाए गए चित्र को एक वृत्त (circle) के रूप में प्रत्यक्षण करते हैं, हालांकी परिभाषानुसार इस चित्र को वृत्त नहीं कहा जा सकता है।

Next class.

Scanned with CamScanner